

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

| | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

S. No. of Question Paper : 8914

Unique Paper Code : 2101403

F-4

Name of the Paper : Philosophical Classics

Name of the Course : B.A. (Hons.) Philosophy

Semester : IV

Duration : Three Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *all* questions. Q. No. 1-3 carry 20 marks each.

Q. No. 4 is for a total of 15 marks.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 से 3 प्रत्येक 20 अंकों के हैं।

प्रश्न संख्या 4 कुल 15 अंक का है।

1. How are Synthetic A priori judgements possible according to Kant ?

कान्ट के अनुसार किस प्रकार प्रागानुभविक संश्लेषणात्मक निर्णय संभव है ? समझाइए।

P.T.O.

Or

(अथवा)

Differentiate categories and ideas according to Kant.

काण्ट के अनुसार कोटियाँ तथा प्रत्यय में विभेद कीजिए।

2. Evaluate the concept of Causation according to Aristotle.

अरस्तु के अनुसार कारणता की अवधारणा का मूल्यांकन कीजिए।

Or

(अथवा)

Explain the notion of substance, as discussed by Aristotle in his book Zeta.

अरस्तु अपनी पुस्तक जीटा में द्रव्य की धारणा की किस प्रकार व्याख्या करते हैं ? समझाइए।

3. How does Heidegger explain Metaphysics ? Discuss.

हाइडेगर किस प्रकार तत्वमीमांसा को समझाते हैं ? विवेचना कीजिए।

Or

(अथवा)

How does Heidegger establish Metaphysics as fundamental Ontology in his writing "What is Metaphysics" ? Explain.

अपनी कृति "तत्वमीमांसा क्या है" में हाइडेगर किस प्रकार तत्वमीमांसा को मूल प्राथमिक तत्वमीमांसा स्थापित करते हैं ? समझाइए।

4. Write short notes on any *two* of the following :

- (i) Actuality and Potentiality
- (ii) Space and Time
- (iii) No-thing (Heidegger being)
- (iv) Hylomorphism according to Aristotle.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (i) वास्तविकता और संभावना
- (ii) दिक् तथा काल
- (iii) अशून्यता (हाइडेगर तात्विक सत्)
- (iv) अरस्तु के अनुसार सृष्टिवाद।